



॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली- 110007, आई. एफ. एस. कोड SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9810117464 पर एस.एम.एस कर दें या 9868051444 पर googlepay कर दें।

—अनिल आर्य

वर्ष-43 अंक-07 भाद्रपद-2083 दयानन्दाब्द 202 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2026 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.09.2026, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoo.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य युवा संस्कार अभियान का समापन

संस्कारवान युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का आधार —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य



दिल्ली, रविवार 16 अगस्त 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में गत 2 अगस्त से चल रहे आर्य युवा संस्कार अभियान का समापन आर्य समाज सूर्य निकेतन दिल्ली में हो गया। जिसमें सैकड़ों कि संख्या में युवाओं ने तंबाकू नशा छोड़ने का संकल्प लिया। परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारवान युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का आधार है। युवा माता पिता की देखभाल करने वाले हों ईश्वर विश्वासी हों और देश के प्रति समर्पित हों। इस अभियान के अन्तर्गत गाजियाबाद, हापुड़, संगम विहार, सूर्य निकेतन, शाहदरा, सोनीपत, फरीदाबाद, करनाल आदि की तरह विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। वैदिक विद्वान महेन्द्र भाई, विकास शास्त्री, ज्ञान चन्द, ओम सपरा, सुरेश आर्य, सतीश शास्त्री, संतोष शास्त्री आदि ने यज्ञ एवं यज्ञोपवित धारण करवाये।



केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की बैठक सम्पन्न

जेवर हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर हो —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य



नई दिल्ली, रविवार 23 अगस्त 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की विशेष बैठक मुख्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में केन्द्र सरकार से मांग की गई कि जेवर हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर किया जाए उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा उनसे प्रेरणा लेकर अनेको नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े स्वामी जी लोगों के सोचने की दिशा ही बदल डाली साथ ही कुरीतियों पर सीधा प्रहार किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने बैठक का कुशल संचालन करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द

ने वैचारिक क्रान्ति का शंखनाद किया। आर्य नेता ओम सपरा ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने पाखण्ड अन्धविश्वास के विरुद्ध जनजागरण किया। प्रमोद योगाआर्थी, सुभाष शर्मा, सुदेश भगत कांशीराम आर्य, रोहित कुमार सिंह, अवधेश प्रताप सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

प्रो. डॉ. अशोक कुमार रुस्तगी

शिक्षा, शोध, प्रशासन एवं समाजसेवा के क्षेत्र में समर्पित व्यक्तित्व

— मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

प्रो. डॉ. अशोक कुमार रुस्तगी जी का जन्म 15 जुलाई, 1963 को मुंडिया धुरेकी, जिला बदायूँ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। उन्होंने अपने दीर्घ शैक्षणिक जीवन में शिक्षण, शोध, प्रशासन, पत्रकारिता तथा समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। तीन दशकों से अधिक समय तक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उन्होंने अनेक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को भी निरंतर आगे बढ़ाया।

शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन— प्रो. रुस्तगी ने एम.ए. (राजनीति विज्ञान) तथा पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने एस.एम. कॉलेज, चंदौसी से अपने शिक्षण जीवन की शुरुआत की। इसके पश्चात वे जे.एस. हिंदू पी.जी. कॉलेज, अमरोहा में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर के रूप में लगभग 33 वर्षों तक सेवाएँ देते रहे।

राजनीति विज्ञान के अध्यापक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ शोध की प्रवृत्ति को भी प्रोत्साहित किया। उनके निर्देशन में लगभग 40 शोधार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की, जो उनके शोध-निर्देशन एवं अकादमिक योगदान का महत्वपूर्ण प्रमाण है। 1 नवंबर 2021 को उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग से चयनित होकर उन्होंने के.ए. (पी.जी.) कॉलेज, कासगंज के प्राचार्य का दायित्व संभाला। प्राचार्य के रूप में उनका अनुभव शिक्षण के साथ-साथ उच्च शिक्षा संस्थान के प्रशासनिक संचालन का भी महत्वपूर्ण अध्याय रहा है।

शोध, लेखन एवं संपादन— प्रो. डॉ. रुस्तगी जी का साहित्यिक एवं अकादमिक लेखन के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान रहा है। उन्होंने सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक एवं समसामयिक विषयों पर सैकड़ों आलेख एवं अग्रलेख लिखे हैं। इसके अतिरिक्त उनके लगभग 50 शोध-पत्र विभिन्न शोध मंचों एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। वे 'आर्यावर्त केसरी' दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक संस्करणों के प्रकाशन एवं संपादन से भी जुड़े रहे हैं। पत्रकारिता के माध्यम से उन्होंने सामाजिक एवं जनसरोकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता प्रदान की। शोध एवं अकादमिक विमर्श को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वे 'समाज विज्ञान शोध पत्रिका' तथा 'प्रज्ञा शिक्षण शोध रचना' जैसी अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के संपादन एवं प्रकाशन से जुड़े हैं। इस प्रकार उनका योगदान केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित न रहकर शोध एवं ज्ञान-विमर्श के व्यापक क्षेत्र तक विस्तृत हुआ है।

संगोष्ठियों एवं अकादमिक गतिविधियों में सहभागिता— प्रो. रुस्तगी ने सैकड़ों राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा शैक्षणिक-सामाजिक सभाओं में सहभागिता की है। इन मंचों के माध्यम से उन्होंने शिक्षा, समाज, राजनीति, इतिहास एवं सामाजिक चेतना से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए और अकादमिक संवाद को समृद्ध करने में योगदान दिया।

समाजसेवा एवं संगठनात्मक दायित्व—शैक्षणिक जीवन के साथ-साथ प्रो. डॉ. रुस्तगी सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। वे आर्यावर्त जन उत्थान न्यास, पंजीकृत, अमरोहा के संस्थापक हैं। इस संस्था के माध्यम से सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याण से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने हेमानंद आर्य गौशाला की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कार्य उनके सामाजिक दायित्वबोध एवं जीव-जंतु संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है।

इतिहास एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनकी रुचि के कारण वे भारतीय इतिहास संकलन समिति, मेरठ प्रान्त के अध्यक्ष के रूप में भी दायित्व निभा रहे हैं। वे आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित सदस्य भी हैं। शिक्षक हितों एवं उच्च शिक्षा से जुड़े संगठनात्मक कार्यों में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे रोहिलखंड विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (रूटा) के लगभग 10 वर्षों तक अध्यक्ष रहे।

पत्रकारिता एवं प्रकाशन से जुड़ी गतिविधियाँ— शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ प्रो. रुस्तगी का जुड़ाव प्रकाशन क्षेत्र से ही रहा है। आर्यावर्त प्रिंटर्स, अमरोहा के माध्यम से प्रकाशन एवं मुद्रण संबंधी गतिविधियों में उनकी सहभागिता रही है। पत्रकारिता, शोध-पत्रिका संपादन और लेखन के माध्यम से उन्होंने वैचारिक एवं अकादमिक सामग्री को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास किया है।

पारिवारिक जीवन— प्रो. डॉ. अशोक कुमार रुस्तगी की धर्मपत्नी प्रो. बीना रुस्तगी हैं, जो जे.एस. हिंदू पी.जी. कॉलेज, अमरोहा के हिंदी विभाग में

प्रोफेसर हैं। दोनों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी-अपनी सेवाओं के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया है।

उनकी दोनों सुपुत्रियाँ एम.बी.बी.एस. उपाधि प्राप्त चिकित्सक हैं। इस प्रकार परिवार में भी शिक्षा एवं सेवा के संस्कारों की परंपरा दिखाई देती है।

आदरणीय डा. अशोक कुमार रुस्तगी जी के हम हृदय से आभारी हैं। हम जो भी लेख लिखते हैं वह उन्हें इमेल से भेजते रहे हैं। उनका पाक्षिक पत्र आर्यावर्त केसरी आर्यजगत का ऐसा पत्र है जिसमें हमारे अभी तक सबसे अधिक लेख प्रकाशित हुए हैं। हम पहली बार उनसे ऋषि दयानन्द जन्म भूमि, टंकारा-गुजरात में मिले थे। वहाँ वह अमरोहा से अपने मित्रों एवं उनके परिवार के सदस्यों को एक बस में लेकर जाते हैं। वहाँ ऋषि दयानन्द जन्म भूमि स्मारक न्यास की ओर से आदरणीय रुस्तगी जी सम्मान भी किया गया था। टंकारा में ही हमने उनके द्वारा प्रकाशित सत्यार्थ प्रकाश स्थूलाक्षर का एक भव्य एवं आकर्षक ग्रन्थ भी प्राप्त किया था। देहरादून में ऋषि दयानन्द के अप्रतिम भक्त 87 वर्षीय श्री वीरेन्द्र कुमार राजपूत जी निवास करते हैं। श्री राजपूत जी ने ऋषि दयानन्द एवं आर्यसमाज के समर्पित कुछ प्रमुख विद्वानों पर अपनी काव्य रचनायें की हैं। श्री राजपूत जी ने चारों वेदों के प्रत्येक मन्त्र का काव्यानुवाद भी अनेक खण्डों में प्रस्तुत किया है। श्री राजपूत जी के अधिकांश ग्रन्थों का प्रकाशन डा. अशोक रुस्तगी जी ने ही अपने आर्यावर्त केसरी प्रकाशन की ओर से किया है। हम श्री अशोक रुस्तगी जी की ओर को आर्यसमाज की एक विभूति मानते हैं। उनकी ऋषि दयानन्द के प्रति श्रद्धा व भक्ति तथा आर्य साहित्य के प्रकाशन के क्षेत्र में योगदान प्रशंसनीय है। डा. अशोक कुमार रुस्तगी जी को अगस्त, 2026 में एक अभिनन्दन ग्रन्थ प्रस्तुत किया जा रहा है, उसके लिये हम उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनायें देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह स्वस्थ रहें और ऋषि दयानन्द सरस्वती जी के मिशन को सफल करने में अपनी सेवायें देते रहें। हम उनके सभी परिवारजनों को भी अपनी शुभकामनायें देते हैं।

निष्कर्ष— प्रो. डॉ. अशोक कुमार रुस्तगी जी का व्यक्तित्व बहुआयामी है। शिक्षक, शोध-निर्देशक, शिक्षाविद्, प्रशासक, संपादक, लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी के रूप में उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान दिया है। लगभग 33 वर्षों के अध्यापन अनुभव, शोधार्थियों के मार्गदर्शन, शोध-पत्रों एवं आलेखों के प्रकाशन, शोध पत्रिकाओं के संपादन, महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में प्रशासनिक दायित्व तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ाव ने उनके व्यक्तित्व को व्यापक आयाम प्रदान किए हैं।

उनकी कार्ययात्रा शिक्षा और समाज के बीच सक्रिय संवाद स्थापित करने का उदाहरण प्रस्तुत करती है। वर्तमान में वे अमरोहा स्थित आर्यावर्त कॉलोनी में निवास करते हुए अपने शैक्षणिक, सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों से जुड़े हुए हैं। उनका जीवन निरंतर अध्ययन, शोध, संगठन, समाजसेवा और जनजागरण के प्रति समर्पित रहा है। हम श्री अशोक कुमार रुस्तगी जी का हार्दिक अभिनन्दन करते हैं और उन्हें अपनी शुभकामनायें देते हैं।

—196 चुकखूवाला-2, देहरादून-248001, फोन: 09412985121

आर्यन क्लासिस में युवा संस्कार सम्पन्न



आर्यन क्लासिस विश्वास नगर शाहदरा दिल्ली में यज्ञ ब्रह्मा महेन्द्र भाई महेश भार्गव को सम्मानित करते हुए।

दिल्ली चलो

ओ३म्

स्थापित 3 जून 1978



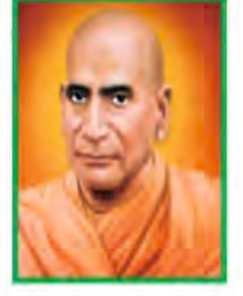
जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद है उसका नाम
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 48वें स्थापना दिवस व

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान शताब्दी समारोह

रविवार 06 सितम्बर 2026, प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक

स्थान: आर्य समाज, ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, नई दिल्ली-110048

(निकट मेट्रो स्टेशन कैलाश कालोनी)



यज्ञ ब्रह्मा :

आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी

ध्वजारोहण :

श्री राजेन्द्र वर्मा (प्रधान आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट-1)

अध्यक्षता:

डॉ. अशोक कुमार चौहान जी

(संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान)

मुख्य अतिथि :

श्री हर्ष मल्होत्रा (प्रदेश अध्यक्ष भाजपा व केन्द्रीय मंत्री)

विशिष्ट अतिथि :

श्री प्रवेश वर्मा (वरिष्ठ मंत्री, दिल्ली सरकार), श्री मनोज तिवारी (सांसद), श्री योगेश मुंजाल
सुश्री बांसुरी स्वराज (सांसद), श्रीमती शिखा राय (विधायक), श्रीमती अजुंम मंडल (पार्षद)
श्री आनन्द चौहान, श्री अजय चौहान, श्री के.एल. पुरी, श्री एस.के.आजमानी, ओम सपरा
स्वामी प्रणवानंद जी, ठाकुर विक्रम सिंह जी, श्री रविदेव गुप्त, रामकृष्ण तनेजा

मुख्य वक्ता :

आ. अखिलेश्वर जी, प्रो. सारस्वत मोहन मनीषी (राष्ट्रीय कवि) श्री विनोद बंसल,
आ. प्रेमपाल शास्त्री, आ. विद्याप्रसाद मिश्र, आ. गवेन्द्र शास्त्री, श्रुति सेतिया

अभिनन्दन: श्री ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य एवं जितेन्द्र सिंह आर्य **Life Time Achievement Award** से सम्मान

ऋषिलिंगर : दोपहर 2 बजे: व्यवस्थापक: अरूण आर्य, रोहित सिंह, प्रकाशवीर शास्त्री, गौरव सिंह आर्य

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

निवेदक:

अनिल आर्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष

9810117464

महेन्द्र भाई

राष्ट्रीय महामंत्री

9013137070

दुर्गेश आर्य, प्रवीन आर्य

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

9868664800/9911404423

अरूण बहल

स्वागताध्यक्ष

9650605561

यशोवीर आर्य

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

9312223472

सुभाष बब्बर

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

9419301915

स्वतंत्र कुकरेजा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

9813041360

देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य

राष्ट्रीय मंत्री

9958889970/9810114455

धर्मपाल आर्य

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

9871581398

वेदप्रकाश आर्य

राष्ट्रीय मंत्री

9810487559

स्वागत समिति :-

सर्वश्री रामकुमार सिंह आर्य, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र योगाचार्य, यज्ञवीर चौहान, रामफल खर्ब, राधा-दशरथ भारद्वाज,
पिंकी आर्या, आस्था आर्य, श्रीकृष्ण दहिया, गौरव झा, दिनेश सिंह, विवेक अग्निहोत्री, वीरेश आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, महेश शर्मा,
के.के. यादव, संजय सपरा, सुन्दर शास्त्री, डॉ. गजराज सिंह आर्य, अजय पथिक, काशीराम आर्य, विजय कपूर, अनुपम आर्य हापुड़,

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मंडी, दिल्ली-110007,

Email: aryayouthn@gmail.com, Website: www.aryayuvakparishad.com

श्री प्रवीण आर्य व प्रमोद योगार्थी का अभिनन्दन



संदेश विहार में युवा संस्कार सम्पन्न



रविवार 16 अगस्त 2026, आर्य समाज संदेश विहार पीतमपुरा दिल्ली में आचार्य ज्ञान जी ने यज्ञ करवाया जिसमें 85 बच्चों ने यज्ञोपवीत धारण करवाया अतिथि के रूप में देवेन्द्र भगत, धर्मपाल आर्य, सुरेश आर्य आदि ने शुभकामनायें प्रदान की। समाज के प्रधान दुर्गेश आर्य ने कुशल संचालन किया।



प्रथम चित्र में आर्य समाज कबीर बस्ती में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए। द्वितीय चित्र में रविवार 16 अगस्त 2026 आर्य समाज जेजे कालोनी वजीर पुर दिल्ली में आचार्य कुंवर पाल शास्त्री का अभिनंदन करते अनिल आर्य, आचार्य प्रेम पाल शास्त्री, सन्तोष शास्त्री व राधे श्याम आर्य

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 2020 से 800वां वेबिनार सम्पन्न

स्वतन्त्रता के प्रति हमारा कर्तव्य विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वतन्त्रता केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य भी है —आचार्य श्रुति विजय सेतिया

सोमवार 10 अगस्त 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'स्वतंत्रता के प्रति हमारा कर्तव्य' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करो ना काल से 798 वा वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्य श्रुति विजय सेतिया (साधिका), योगाचार्य एवं प्राकृतिक चिकित्सक ने "स्वतंत्रता के प्रति हमारा कर्तव्य" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वतंत्रता केवल उत्सव मनाने या तिरंगे को नमन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि देश के प्रति हमारा पहला कर्तव्य ईमानदार और जिम्मेदार नागरिक बनना है। हमें अपने कार्य को निष्ठा से करना चाहिए, कानून और संविधान का सम्मान करना चाहिए तथा देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि राष्ट्रसेवा केवल सीमा पर खड़े सैनिकों का दायित्व नहीं है। एक शिक्षक अच्छी शिक्षा देकर, चिकित्सक निष्ठापूर्वक सेवा देकर, युवा अपनी प्रतिभा और परिश्रम से तथा प्रत्येक नागरिक अपने दैनिक जीवन में ईमानदारी अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। उन्होंने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों की बचत, करों एवं सार्वजनिक नियमों का पालन, महिलाओं और बुजुर्गों का सम्मान तथा जरूरतमंदों की सहायता को भी राष्ट्र के प्रति महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया। उन्होंने कहा, "हम स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं, इसलिए हमें अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा। देशभक्ति केवल नारों में नहीं, हमारे आचरण में दिखाई देनी चाहिए।" उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए चरित्रवान, संस्कारवान, शिक्षित, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण आवश्यक है। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी युवा शक्ति और विकसित भारत/2047 की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया जा रहा है। अंत में उन्होंने कहा, "तिरंगे की शान केवल आकाश में नहीं, हमारे कर्मों में भी दिखाई देनी चाहिए। आइए, स्वतंत्रता दिवस पर हम केवल भारत माता की जय न बोलें, बल्कि भारत के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प भी लें। मुख्य अतिथि कृष्णा पाहुजा व अध्यक्ष रजनी चुग ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम का कुशल संचालन परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा जनक अरोड़ा कमला हंस संतोष धर सीमा आर्य रविन्द्र गुप्ता सुधीर बंसल ने भी मधुर भजन सुनाए।